एमएमआरसीएल को नॉन फेयर रेवेन्यू के लिए चाहिए सलाहकार

■ **वसं, मुंबई :** मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) ने मेट्रो-3 कॉरिडोर के लिए बीड प्रोसेस मैनेजमेंट फॉर नॉन फेयर रेवन्यू के लिए कंसल्टेंट की तलाश है। 33.3 किमी लंबे मार्ग से यात्री किराए के अलावा कमाई के अन्य मार्ग खोजने में यह कंसल्टेंट एमएमआरसीएल की मदद करेगा। कंसल्टेंट की तलाश के लिए मेट्रो प्रशासन द्वारा टेंडर जारी किया गया है।

बता दें कि मेट्रो-3 कॉरिडोर के पांच स्टेशनों के नाम के लिए पहले ही स्पॉन्सर मिल चुके हैं। केवल पांच स्टेशनों के नाम से ही कॉर्पोरेशन को हर साल करीब 40 करोड़ रुपये की आमदनी होगी। मेट्रो का संचालन आरंभ होने के बाद हर साल इस रकम ने 5 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। मेट्रो के इन पांच स्टेशनों से ही कॉर्पोरेशन को आगामी पांच सालों में करीब 216 करोड़ रुपये की कमाई होगी। एमएमआरसीएल ने अपनी कमाई को और बढ़ाने के लिए एमएमआरसीएल ने कंसल्टेंट की नियुक्ति करने का निर्णय लिया है। कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज के बीच मेट्रो-3 कॉरिडोर का निर्माण कार्य चल रहा है। मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण कार्य 76 फीसदी पूरा हो गया है। एमएमआरसीएल ने अगले साल के अंत तक सीप्ज से बीकेसी के बीच मेट्रो सेवा शुरू करने की योजना बनाई है। एमएमआरसीएल के अनुसार, कोटक महिंद्रा बैंक, एलआईसी, आईसीआईसी समेत अन्य कंपनियों ने मेट्रो से साथ अपना नाम जोड़ने में रुचि दिखाई है। कोटक महिंद्रा बैंक के साथ बीकेसी और छत्रपति शिवजी महाराज टर्मिनस मेट्रो स्टेशन का नाम, आईसीआईसी लोम्बार्ड के साथ सिद्धिविनायक मेट्रो स्टेशन और चर्चगेट व हुतात्मा चौक मेट्रो स्टेशन के साथ एलआईसी कंपनी का नाम जोड़ा जाएगा।

इस तरह चलेगी मेट्रो

- मेट्रो पहले फेस में - 12.22 किमी
- दूसरे फेस में - 21.39 किमी
- कुल रूट- 33.3 किमी
- दिसंबर 2023 से फेस 1 पर दौड़ेगी मेट्रो
- जून 2024 से पूरे रूट पर दौड़ेगी मेट्रो